Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 26 October 2024

Dainik Jagran Page - 06, 10

अब अपराध नहीं शिक्षा के केंद्र से गोरखपुर की पहचान

अरुण चन्द ● जागरण

संवादी में गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, सिवि कपिलवस्तु की कुलपति प्रो.कविता शाह एमएमपीटी के कुलपति प्रो.जयाकृष्ण सैनी व संचालक डा. आमोद राय ●

गोरखपुरः चार दशक में ही कैसे गोरखपुर ने अपराध और अनजाने डर के माहौल वाली अपनी पहचान बदलकर शिक्षा के बड़े केंद्र के तौर पर नई पहचान बनाई। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में अब कैसे परंपरागत शिक्षा से आगे बढ़कर रोजगारपरक शिक्षा को महत्व दिया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक पहलू को अपनाकर किस तरह रोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है और कैसे इस आधुनिक तकनीक के नकारात्मक पहलू से खुद को बचाकर समाज और देश को रक्षा की जा सकती है। मंच पर मौजूद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन, मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह ने भरोसा दिलाया कि वे विद्यार्थियों को तकनीकी और रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही उनमें संवेदना भी जागृत करने को लेकर सजग हैं। समाज का यह दौर ज्ञान के साम्राज्य के रूप में कैसे देखा जा रहा है, इसपर प्रकाश डालते हुए प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय गोरखपुर समेत पूर्वांचल के समाज का अभिन्न अंग है। गोरक्षनगरी के साथ ही विश्वविद्यालय के विकास को भी एक साथ देखा जा सकता है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कविता शाह ने कविता की दो लाइनों 'यह न सोचना की हर राह सीधी चले, यह न संभव की गंतव्य सबको मिले, वाटिका बीच कलियां लाख लगीं, यह न संभव हर फूल खिले' से अपनी बात रखनी शुरू की। कहा कि यह सच है कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय लाना चुनौती है, लेकिन विश्वविद्यालय उनतक पहुंच रहा है। परिवहन को सुगम बनाया जा रहा है। इसमें कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष सहयोग मिला। एमएमपूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि चार दशक में गोरखपुर की पहचान भय और अपराध से बदलकर शिक्षा के केंद्र की हो गई है। अब यहां के विद्यार्थी उच्च, तकनीकी और रोजगारपरक शिक्षा के लिए दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जाने के लिए विवश नहीं हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा शुरू हुई तो उन्होंने कहा कि तकनीक का अच्छा और खराब, दोनों ही इस्तेमाल है। हम इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं, यह मायने रखता है। प्रो. पूनम टंडन ने प्रो.जेपी सैनी का समर्थन करते हुए कहा कि हमारा जोर बच्चों को रोबोट बनाना नहीं बल्कि उनमें मानवीय संवेदना भरने पर है। सत्र का संचालन गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के डा. आमोद राय ने किया।

गोवि के छात्र करेंगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ में 26-27 अक्टूबर को आयोजित होने वाली संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में विभाग के चार छात्रों ने अपना स्थान बनाया। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में स्नातक तृतीय सेमेस्टर के छात्र मिश्र, स्नातक प्रथम सेमेस्टर के उदय प्रताप सिंह और संस्कृत गीत प्रतियोगिता युवा वर्ग में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के अनु निषाद व स्नातक प्रथम सेमेस्टर के दुगेश शुक्ला का चयन हुआ है।

यह प्रतियोगिता विगत दो माह से चल रही है। सर्वप्रथम जनपद स्तर पर चयनित होने वाले छात्र मंडल स्तर पर प्रतियोगी के रूप में प्रतिभागिता में सम्मिलित होते हैं। पुनः मंडल स्तर पर जो प्रतिभागी चयनित होते हैं उन्हें ही उत्तर प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होता है। संस्कृत भाषण का विषय संस्कृत में जीविकोपार्जन के क्षेत्र एवं उनको प्राप्त करने के उपाय व संस्कृत गीतों में लोकगीत, कजरी, चैता, राष्ट्रगीत आदि हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राजवंत राव सहित विभाग के समस्त शिक्षकों ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दी है। -विज्ञप्ति

Hindustan Page - 07

महिला रोजगार कौशल को लेकर दिया प्रशिक्षण

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के तहत महिला रोजगार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रोजगार के लिए तत्परता और समूह चर्चा के महत्व पर जोर दिया गया। नंदी फाउंडेशन के प्रशिक्षक अमित उत्तरानी, अंकित पूरी और मोहम्मद शकीब ने समूह चर्चा के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास पर चर्चा की।

Amar Ujala Page - 07

महिला रोजगार कौशल का दिया प्रशिक्षण

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान को समझा

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के तहत महिला रोजगार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रोजगार के लिए तत्परता और समूह चर्चा के महत्व पर जोर दिया गया।

प्रशिक्षक के रूप में नंदी फाउंडेशन के समन्वयक डा.मनीष कुमार, डा.अभिषेक कुमार, डा.अंशिका मिश्रा, डा. फरोजां, डा.सारिका गुप्ता व खुशबू वर्मा उपस्थित रहीं। -विज्ञप्ति

गोवि में महिला रोजगार कौशल का दिया गया प्रशिक्षण

गोरखपुरः गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के तहत महिला रोजगार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रोजगार के लिए तत्परता और समूह चर्चा के महत्व पर जोर दिया गया।

प्रशिक्षक ने कहा कि रोजगार के लिए तत्परता छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। यह तकनीकी तथा साफ्ट स्किल्स को विकसित करने में सहायक है। नंदी फाउंडेशन के प्रशिक्षक अमित उत्तरानी, अंकित पूरी और मोहम्मद शकीब ने समूह चर्चा के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास पर चर्चा की। इस दौरान बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के समन्वयक डा.मनीष कुमार, डा.अभिषेक कुमार, डा.अंशिका मिश्रा, डा. फरोजां, डा.सारिका गुप्ता व खुशबू वर्मा उपस्थित रहीं। -विज्ञप्ति

गोवि के गणित विभाग के तीन और शिक्षकों को मिला नोटिस

कार्य दिवस में जवाब नहीं देने पर कार्रवाई की दी गई चेतावनी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में शिक्षकों के बीच चल रही जांचमें की गई गड़बड़ी में कदम उठाए हैं। विभाग में बीते कई दिनों से चल रहा सिक्के के खेल का विवाद थमा नजर है। विश्वविद्यालय ने एक प्रोफेसर और दो सहायक आचार्यों को नोटिस जारी किया। तीन कार्य दिवस पर इसका जवाब मांगा है।

विश्वविद्यालय प्रो. प्रो. विजय शंकर वर्मा ने बुधवार को शिक्षकों को बैठक बुलाई थी। इस बैठक में विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर उमा पोखरभाने शामिल नहीं हुईं। इस पर विश्वविद्यालय ने नोटिस जारी बैठक में अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण मांग है। नोटिस की प्रतिलिपि विश्वविद्यालय के कुलसचिव और कुलपति के निजी सचिव को भी दी गई है।

बीते 16 अक्टूबर को भी विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. उमा श्रीवास्तव को विभागीय बैठक में मौजूद न रहने को लेकर नोटिस जारी किया था। इसके बाद वह 17 अक्टूबर को बैठक में शामिल हुई थीं। विश्वविद्यालय ने उनसे इस बैठक में अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण मांगा है।

जारी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डा. जितेन्द्रो नाथ को भी 23 तारीख में नोटिस जारी किया। उनपर बिना अनुमति एवं संकाय द्वारा जारी समय सारणी के ऊपर कक्षा लेने का आरोप है। आदेश है कि 19 अक्टूबर को सुबह 10 बजे उन्हें विश्वविद्यालय में उपस्थित होना है। इसमें गड़ा सात छात्र मौजूद थे।

समय सारणी के विपरीत कक्षा लेने का कारण पूछने पर वह विश्वविद्यालय से उलझते अभद्रता की। तीन कार्य दिवस में स्पष्टीकरण मांग गया है।

विभाग के सहायक आचार्य डा. विजेंद्र कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय पर जानबूझ कर अंतिम अवसर स्वीकृत न करने का अवैध लगाते हुए कुलपति को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने 9 कर जेआरएफ-नेट परीक्षा उत्तीर्ण होने का जिक्र किया था। इसपर विश्वविद्यालय ने उनको पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने परीक्षा की तिथि, समय, परीक्षा केंद्र, परीक्षा में सम्मिलित होने का मापदंड (आवश्यक या आवश्यकतर), उन्होंने होने का प्रमाण तीन कार्य दिवस में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं करने पर कुलपति की क्षमक कृपया देने का दोषी मानने की चेतावनी दी है।

रद और अन्य खबरें देखें-
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

Rashtriya Sahara Page - 07, 10

एनईपी सारथी के समन्वयक बने प्रो.हर्ष

गोरखपुरः दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन एवं स्त्रातजिक विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा को एनईपी सारथी का समन्वयक बनाया गया है। विश्वविद्यालय की कुलपति के निर्देश पर कुलसचिव ने इसका आदेश जारी कर दिया है। एनईपी के क्रिया-कलापों के प्रचार-प्रसार के लिए छात्रों के बीच से एनईपी सारथी का चयन करना है। -विज्ञप्ति

Inext Page - 04

एनईपी सारथी के समन्वयक बने प्रो. हर्ष

GORAKHPUR (25 Oct): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन एवं स्त्रातजिक विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा को एनईपी सारथी का समन्वयक बनाया गया है। विश्वविद्यालय की कुलपति के निर्देश पर कुलसचिव ने इसका आदेश जारी कर दिया है। एनईपी के क्रिया-कलापों के प्रचार-प्रसार के लिए छात्रों के बीच से एनईपी सारथी का चयन करना है।

Amar Ujala Select Page - 04

महिला रोजगार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

गोरखपुर (एसएनबी)। महिला रोजगार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, मिशन लोटस (चरण 2) के तहत शुक्रवार को वैंकिंग और इंश्योरेंस (बी, 1), वाणिज्य विभाग, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। आज के सत्र में रोजगार के लिए तत्परता और समूह चर्चा के महत्व जैसे विषयों को शामिल किया गया।

प्रशिक्षक ने रोजगार के लिए तत्परता को एक की सुझाव दी। उन्होंने कहा कि यह छात्रों के प्रतिस्पर्धा में बने रहने और लंबे समय तक सफल रहने की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षक ने बताया कि यह एक समग्र प्रक्रिया है जो छात्रों को तकनीकी और आवश्यक व्यापार कौशल से सुसज्जित करती है। यह आत्मोन्नयनात्मक सोच को विकसित करती है और आत्मुकल्पना भाषा को भी बढ़ाती है। यह व्यावसायिकता को बढ़ावा देती है और कार्य नैतिकता को विकसित करती है। छात्रों को यह भी बताया गया कि रोजगार के लिए तत्परता और करियर के लिए तत्परता में क्या अंतर है। नंदी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों अंकित उत्तरानी, अंकित पूरी और मोहम्मद शकीब ने छात्रों के समग्र विकास में समूह चर्चा की भूमिका पर जोर दिया। छात्रों ने विषयों के आयन-प्रदान के संबंधित तर्कीक के बारे में सीखा।

डा. मनीष कुमार, डा. अभिषेक कुमार, डा. अंशिका मिश्रा, डा. फरोजा, डा. सारिका गुप्ता और मिस खुशबू वर्मा सत्र के दौरान उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की कबड्डी (पुरुष-महिला) टीम चयनित

गोरखपुर (एसएनबी)। पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2024-25 हेतु विश्वविद्यालय की कबड्डी (पुरुष एवं महिला) टीम का चयन दिनांक विश्वविद्यालय क्रीड़ांगन पर किया गया। आचार्य हरा ने चयनित टीम इस प्रकार है

कबड्डी महिला : पूजा यादव (विश्वविद्यालय), बद्धा यादव, सेजल चौधरी (बहादुर यादव पीजी कालेज), कुशी निषाद (महाराणा प्रताप महिला कालेज), सृष्टि राय (स्वामी देवानंद पीजी कालेज), ज्योति साहनी (प्यारी देवी राजित महाविद्यालय), सचि मिश्रा (नेशनल पीजी कालेज बड़हलगंज), आयुषी (सर्वोदय किसान पीजी कालेज), शिल्पा चौहान, संजना निषाद, मोनिका पासवान (दिग्विजय नाथ पीजी कालेज), अमृता कुमारी (बुद्धा पी जी कालेज कुशीनगर)।

कबड्डी पुरुष वर्ग : सूरज कुशवाहा (विश्वविद्यालय), राम मदन निषाद (दिग्विजय नाथ पी जी कॉलेज),नितेश कुमार यादव, विजय कुमार निषाद,रोहित कुमार चौरसिया, सुजीत कुमार,मनीष सिंह, अंगद कुशवाहा (बहादुर यादव मैमोरियल कॉलेज भटनी),अजय यादव (आर एम डिग्री कॉलेज),प्रियांशु शर्मा (किसान पी जी कॉलेज हाटा),देवराज चौहान (पवित्रा डिग्री कॉलेज),अंकित विश्वकर्मा (जवाहरलाल नेहरू पी जी कॉलेज)। यह जानकारी विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ राज वीर सिंह ने दी, तथा बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी दिनांक 26 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11.00 बजे विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद कार्यालय पर अवश्य उपस्थित हों।

गुरुत्वाकर्षण व ब्रह्मांडीय विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

गोरखपुर (एसएनबी)। गणित एवं सांख्यिकी विभाग एवं आईसीएआरडी भौतिकी विभाग दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन ब्रह्मांड विज्ञान के प्रमुख विषयों पर गहन चर्चा के साथ प्रतिभागियों को एक अमूठा अनुभव प्रदान किया।

दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

तीसरे दिन के पहले सत्र में प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी जो विश्वविद्यालय के प्रो-चांसल चांसलर और भौतिकी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर हैं, ने ब्रह्मांड के मापन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने ब्रह्मांडीय दूरियों, विस्तार, और आकार के मापन के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। दूसरे सत्र में, आयुका पुणे के प्रोफेसर अंतिम गांगुली ने सिम्पल-टू-नाइज अनुपात और पावर स्पेक्ट्रम डेंसिटी पर व्याख्यान दिया। डा. गांगुली ने गुरुत्वाकर्षण तरंगों के डेटा का विश्लेषण करने में सिम्पल-टू-नाइज अनुपात की महत्ता पर चर्चा की, जो वास्तविक सिग्नल और शोर के बीच अंतर को समझने में सहायक होता है।

कार्यशाला का समापन समारोह में नेहू डिलांग के प्रोफेसर जीवोत्तम दास मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी ने की। प्रतिभागियों का स्वागत प्रोफेसर विजय शंकर वर्मा एवं प्रोफेसर सुधीर श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला की विस्तृत रिपोर्ट कार्यशाला के समन्वयक डा. राजेश कुमार ने प्रस्तुत किया। संचालन डा. अपरा त्रिपाठी तथा धन्यवाद प्रोफेसर हिमांशु पांडे ने किया।

प्रो. हर्ष सिन्हा समन्वयक नामित

गोरखपुर (एसएनबी)। प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, कोऑर्डिनेटर, एनईपी 2020, आचार्य, रक्षा अध्ययन एवं स्त्रातजिक विभाग को विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा अनुठा आयोग, नई दिल्ली के न्यू एजुकेशन पालिसी-स्टूडेंट एम्बेसडर फार एकेडमिक रिफार्मस इन टासफार्मिंग इंडिया एजुकेशन इन इंडिया (एनईपी एसएएआरटीएचआई) के लिए समन्वयक नामित किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि समन्वयक द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के माइहदाहन्स में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार सारथीजा का चयन एवं उनके सभी क्रिया-कलापों को सम्पन्न कराया जायेगा।

आईसीएसआर से संबद्ध होगा डीडीयू का कृषि संस्थान

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संचालित कृषि एवं प्रकृतिक विज्ञान संस्थान में खाद्य प्रौद्योगिक व अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएसआर) से संबद्ध किया जाएगा। इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। संबद्धता के लिए आईसीएसआर के मानक के अनुरूप प्रयोगशाला का अपग्रेड करने की तैयारी है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में संचालित परिषद परिसर के रूप में कृषि एवं प्रकृतिक विज्ञान संस्थान संचालित है। संस्थान में कृषि की स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई होती है। बीएससी कृषि का पाठ्यक्रम 4 साल अवधि का है। बीएससी कृषि का पाठ्यक्रम 2 साल अवधि का है। एमएससी कृषि में एग्रोनामी, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चरल इंटोमोलॉजी, प्लांट पैथोलॉजी, कृषि प्रसार, एग्रीकेमिकल इकोलॉजिकल में पढ़ाई पढ़ी है। संस्थान में इस समय लगभग सभी विषयों में अपनी-अपनी प्रयोगशालाओं की सेट अप और अपग्रेडेशन की आवश्यकता है। इसको देखते हुए प्रयोगशालाओं को अपग्रेड करने के लिए कुलपति ने निर्देश दिया। इसके बाद खाद्य तथा पर हर विषय की ओर से संस्थान के निदेशक प्रो. उमेद कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। प्रयोगशाला को अपग्रेड करने के बाद आईसीएसआर की संबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा।

डीडीयू : संस्कृत विभाग के चार छात्र करेंगे राज्य स्तरीय स्पर्धा में प्रतिभाग

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ में 26- 27 अक्तूबर को आयोजित होने वाली संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में विभाग के चार छात्रों ने अपना स्थान बनाया। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में स्नातक तृतीय सेमेस्टर के सौरभ मिश्र, स्नातक प्रथम सेमेस्टर के उदय प्रताप सिंह और संस्कृत गीत प्रतियोगिता युवा वर्ग में परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के अनु निषाद व स्नातक प्रथम सेमेस्टर के दुगेश शुक्ला का चयन हुआ है।

एनईपी सारथी के समन्वयक बने प्रो. हर्ष

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन एवं स्त्रातजिक विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा को एनईपी सारथी का समन्वयक बनाया गया है। विश्वविद्यालय की कुलपति के निर्देश पर कुलसचिव ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

Swatantra Bharat

विश्वविद्यालय की कबड्डी (पुरुष एवं महिला) टीम चयनित

गोरखपुर,२५ अक्टूबर । पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2024- 25 हेतु विश्वविद्यालय की कबड्डी (पुरुष एवं महिला) टीम का चयन दिनांक 24 एवं 25 अक्टूबर को विश्वविद्यालय क्रीड़ांगन पर किया गया द्य अस्थाई रूप से चयनित टीम निम्नवत है द्य

कबड्डी महिलाः - पूजा यादव (विश्वविद्यालय) बद्धा यादव, सेजल चौधरी, (बहादुर यादव पीजी कॉलेज)खुशी निषाद (महाराणा प्रताप महिला कॉलेज) सृष्टि राय (स्वामी देवानंद पी जी कॉलेज)ज्योति साहनी (प्यारी देवी राजित महाविद्यालय)रूचि मिश्रा (नेशनल पीजी कॉलेज बड़हलगंज)आयुषी (सर्वोदय किसान पी जी कॉलेज)शिल्पा चौहान, संजना निषाद, मोनिका पासवान (दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज) अमृता कुमारी (बुद्धा पी जी कॉलेज कुशीनगर) ।

कबड्डी पुरुष वर्ग : -सूरज कुशवाहा (विश्वविद्यालय) राम मदन निषाद (दिग्विजय नाथ पी जी कॉलेज)नितेश कुमार यादव, विजय कुमार निषाद,रोहित कुमार चौरसिया, सुजीत कुमार,मनीष सिंह, अंगद कुशवाहा (बहादुर यादव मैमोरियल कॉलेज भटनी)अजय यादव (आर एम डिग्री कॉलेज)प्रियांशु शर्मा (किसान पी जी कॉलेज हाटा)देवराज चौहान (पवित्रा डिग्री कॉलेज)अंकित विश्वकर्मा (जवाहरलाल नेहरू पी जी कॉलेज)। यह जानकारी विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ राज वीर सिंह ने दी, तथा बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी दिनांक 26 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11.00 बजे विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद कार्यालय पर अवश्य उपस्थित हों।

राज्य स्तरीय स्पर्धा में भाग लेंगे छात्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान में 26-27 अक्टूबर को आयोजित होने वाली संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में विभाग के चार छात्रों ने अपना स्थान बनाया। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में सौरभ मिश्र स्नातक तृतीय सेमेस्टर तथा उदय प्रताप सिंह स्नातक प्रथम सेमेस्टर संस्कृत गीत प्रतियोगिता युवा वर्ग में अनु निषाद परास्नातक प्रथम सेमेस्टर तथा दुर्गेश शुक्ला स्नातक प्रथम सेमेस्टर यह प्रतियोगिता विगत दो माह से चल रही है। सर्वप्रथम जनपद स्तर पर चयनित होने वाले छात्र मंडल स्तर पर प्रतिभागी के रूप में प्रतियोगिता में सम्मिलित होते हैं। पुनः मंडल स्तर पर जो प्रतिभागी चयनित होते हैं उन्हें ही राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होता है। विभागीय इन चार छात्रों ने प्रतिदिन अभ्यास और कठिन अध्यवसाय से राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं मेंअपना स्थान सुनिश्चित कर लिया। संस्कृत भाषण का विषय संस्कृत में जीविकोपार्जन के क्षेत्र एवं उनको प्राप्त करने के उपाय तथा संस्कृत गीतों में लोकगीत, कजरी, चैता,राष्ट्रगीत आदि हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राजवंत राव सहित विभाग के समस्त शिक्षकों ने इन छात्रों को बधाएं एवं आशीर्वाद दिया तथा राज्यस्तर पर विजयी होने की शुभकामनाएं भी दी।

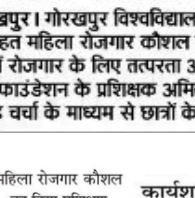

Super Fast Times

डीडीयू : संस्कृत विभाग के चार छात्र राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ में 26 से 27 अक्टूबर को होने वाली संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में विभाग के चार छात्रों ने अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। संस्कृत भाषण का विषय "संस्कृत में आजीविका के क्षेत्र एवं उनको प्राप्त करने के तरीके" है और संस्कृत गीत प्रतियोगिता युवा वर्ग में अनु निषाद परास्नातक प्रथम सेमेस्टर और दुर्गेश शुक्ला स्नातक प्रथम सेमेस्टर है। यह प्रतियोगिता पिछले दो महीने से चल रही है। सबसे पहले जिला स्तर पर चयनित छात्र मंडल स्तर पर प्रतिभागी के रूप में प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। फिर मंडल स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को ही राज्य स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलता है। विभाग के इन चार छात्रों ने रोजाना अभ्यास

और कड़ी मेहनत से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर विजय शंकर वर्मा एवं प्रो. सुधीर श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों ने इन विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद दिया और राज्य स्तर पर विजयी होने के लिए शुभकामना भी दी।